

## पशु रोग मुक्त क्षेत्र

### प्रलम्ब के लिये:

पशु रोग मुक्त क्षेत्र, पशुपालन, विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (OIE), राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, खुरपका-मुँहपका रोग (FMD) और बुरुसेलोसिस, राष्ट्रीय पशुधन मशिन पशुपालन अवसंरचना विकास कोष, किसान उत्पादक संगठन (FPO), कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण।

### मेन्स के लिये:

पशुपालन का अर्थशास्त्र, किसानों की आय बढ़ाना।

## चर्चा में क्यों?

मूल्यवर्द्धति मांस उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार ने हतिधारकों से देश में क्षेत्र-वशिष्ट 'पशु रोग मुक्त क्षेत्रों' के निर्माण की दशा में काम करने का आह्वान किया है।

## पशु रोग मुक्त क्षेत्र क्या है?

- 'पशु रोग-मुक्त क्षेत्र' का अर्थ एक ऐसे स्पष्ट रूप से परिभाषित हसिसे से है, जहाँ किसी वशिष्ट बीमारी के संबंध में एक वशिष्ट स्वास्थ्य स्थिति वाली पशु जनसंख्या मौजूद होती है और जहाँ अंतरराष्ट्रीय व्यापार के उद्देश्य हेतु आवश्यक नगिरानी, नियंत्रण एवं जैव सुरक्षा उपायों को लागू किया जाता है।

## 'पशु रोग मुक्त क्षेत्र' बनाने की आवश्यकता:

- **पशुपालन का महत्त्व:** पशु हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिये जीवन समर्थन प्रणाली हैं, वे कठिन समय में जीविका प्रदान करते हैं और पोषण, वशिष्ट रूप से ग्रामीण लोगों के लिये प्रोटीन का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं।
  - पशुपालन **मशिरति कृषि** पद्धतियों के अंतर्गत आता है।
  - मशिरति खेती एक ऐसी कृषि प्रणाली है, जिसमें एक किसान विभिन्न कृषि पद्धतियों को एक साथ अपनाता है, जैसे कनिकदी फसलें उगाना और पशुपालन।
  - इसका उद्देश्य ऐसे विभिन्न स्रोतों के माध्यम से आय में वृद्धि करना और वर्ष भर भूमि एवं श्रम की मांग को पूरा करना है।
- **कृषि निर्यात:** जैविक शहद और मछली उत्पादों के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल करते हुए भारत गोजातीय (Bovine) मांस का सबसे बड़ा निर्यातक है।
- **अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना:** **विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन** (OIE) के अनुसार, जोनगि पशु रोगों के प्रगतशील नियंत्रण एवं उनमूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिये गारंटी प्रदान करने हेतु एक महत्त्वपूर्ण जोखिम प्रबंधन रणनीति है।

## सरकार द्वारा की गई संबंधित पहलें:

- **राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम:**
  - इसका उद्देश्य देश में पशुओं के बीच **खुरपका-मुँहपका रोग (FMD)** और **बुरुसेलोसिस** को नियंत्रित करना है।
- **राष्ट्रीय पशुधन मशिन (NLM):**
  - यह अच्छी गुणवत्ता वाले मांस का उत्पादन करने के लिये पशु फार्म स्थापित करने की परकिल्पना करता है तथा इस प्रकार गुणवत्ता वाले मूल्यवर्द्धति उत्पादों का उत्पादन करता है।
- **पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (AHIDE):**
  - यह सरकार द्वारा जारी किया गया पहला बड़ा फंड है, जिसमें **किसान उत्पादक संगठन** (Farmer Producer Organization), नज्जी डेयरी उद्यमी, व्यक्तगित उद्यमी और इसके दायरे में आने वाले अन्य हतिधारक शामिल हैं।

■ **कृषि और परसंसकृत खाद्य उत्पाद नरियात वकिसा पराधकिरण (APEDA):**

- **APEDA** की स्थापना भारत सरकार द्वारा कृषि और परसंसकृत खाद्य उत्पाद नरियात वकिसा पराधकिरण अधनियम, 1985 के तहत की गई थी।
- यह मानकों और वशिषिटताओं को नरिधारति कर **पैकेजिग, वपिणन रणनीतियों में सुधार का सुझाव और समर्थन, नरियात के लयि उत्पादों के वकिसा की सुवधि, नरियात क्षेत्रों की स्थापना करके कृषि एवं परसंसकृत उत्पादों के नरियात को बढ़ावा देता है।**

## आगे की राह

- **सकिमि मॉडल: जैवकि राज्य के रूप में घोषति सकिमि के जैवकि मॉडल** का सभी राज्यों में अनुकरण कयि जाना चाहयि।
- **पशु चकितिसा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार:** क्षेत्रीय स्तर पर कारयानवयन और प्रभावशीलता पशु चकितिसा सेवाओं की गुणवत्ता पर नरिभर करती है।
- **अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण:** बाहरी बाजारों से लाभ उठाने, रोग मुक्त क्षेत्रों की द्वपिक्षीय मान्यता में वृद्धिकरने जैसे द्वपिक्षीय पशु चकितिसा समझौते या मुक्त व्यापार समझौते, व्यापारकि साझेदार देशों द्वारा लागू कयि जाने वाले स्पष्ट क्षेत्रों और प्रकरयियों को स्थापति करते हैं।

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सी मशि्रति खेती की प्रमुख वशिषेता है? (2012)

- (a) नकदी और खाद्य दोनों फसलों की साथ-साथ खेती
- (b) दो या दो से अधिक फसलों को एक ही खेत में उगाना
- (c) पशुपालन और फसल-उत्पादन कार्य एक साथ करना
- (d) उपरयुक्त मे से कोई नहीं

**उत्तर: (c)**

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/animal-disease-free-zones>

